RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-04
April -2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

छत्तीसगढ़ का नवीन मठ पाटेश्वर धाम

चरणजीत बजाज

शोध छात्रा, प्राचार्य शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ

(Corresponding Author: jeetbajaj528@gmail.com)

यह आश्रम पाटेश्वर, पोस्ट कोड़ेकसा, तहसील – डौडीलोहारा, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ में स्थित हैं। इस स्थल में कई मंदिर एवं समाधि स्थल स्थित हैं। जिनमें श्री पाटेश्वर हनुमान मंदिर सन् 1977 में निर्मित हैं, सन् 1990 से स्थापित श्री राधाकृष्णन के मंदिर , स्वर्ण गंगा कुण्ड जिसका पवित्र जल कभी सुखता नही हैं। एवं श्री राम मंदिर हैं। श्री पाटेश्वर धाम का मुख्य आकर्षण एवं शक्ति केन्द्र श्री राजयोगी बाबा जी की तपोभूमी हैं। यहां पहाड़ी पर श्री पाटेश्वर बाबा मंदिर मुख्य आश्रम से 1200 फिट की ऊचांई पर स्थित हैं। जहां तक पहुचने के लिये 355 पक्की सिड़ीयॉ बनी हुई हैं। श्री राजयोगी जी कि तपोभूमि पर सन् 1977 से निंरतर अखण्ड धूनी प्रजवल्लित हैं। इसके निकट ही पूज्य संत श्री राजयोगी बाबा जी के द्वारा स्थापित शिव मंदिर हैं।

इस पवित्र भूमि पर मंहत श्री रामजानकी दास जी महात्यागी (श्री राजयोगी बाबा जी) एवं इनके संरक्षण में संचालक का कार्यभार संभाल रहें इनके शिष्य बालयोगेश्वर श्री रामबालकदास जी महात्यागी के तत्वधान में सम्पूर्ण भारतवर्ष में अद्वितीय भव्य विशाल एवं कलात्मक मां कौशल्या जन्मभूमि मंदिर एवं श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर, स्फटीक शिवलिंग धाम का निर्माण श्री पाटेश्वर धाम में हो रहा हैं। यह मंदिर अयोध्या में बनने वाले प्रस्तावित मंदिर के स्वरूप में बन रहा हैं इस मंदिर के निर्माण में प्रयुक्त होने वाला पत्थर भी वही उपयोग किया जा रहा हैं, जो अयोध्या में हो रहा हैं।

इस भव्य एवं विशाल मंदिर की रूपरेखा के अनुसार इस भव्य विशाल मंदिर में चार तल होंगे। तलघर पर श्री पाटेश्वर एवं स्फटिक ज्योर्तिलिंग स्थापित होगा। जिसमें स्थान देवता पाटेश्वर जी एवं भारत का अद्वितीय सवा दो फिट स्फटिक ज्योर्तिलिंग की प्रतिष्ठा होगी। भूतल पर (मध्यतल) मुख्य मंदिर होगा, जहां सवा नौ फिट ऊचां एवं दस फुट व्यास वाली पंचमुखी हनुमान जी की अष्टधातु की विशाल प्रतिमा स्थापित होगी। पूर्व में कपी मुख, दक्षिण में नरसिंह मुख, पश्चिम में गरूड़ मुख उत्तर में वराह मुख और उर्ध्व में हयग्रीव तथा दस भुजाओं में अस्त्र शस्त्र धारण किये हुए विग्रह की स्थापना यहॉ होगी। इस तल में प्रवेश के लिये चार दरवाजे होगे तथा प्रदक्षिणा पथ एवं महामण्डप का निर्माण भी गर्भगृह से जुड़ा हुआ होगा।

इस मंदिर का तीसरा तल माता कौशल्या जी का होगा। यहां पर श्री राम जी को गोद में बैठई हुई माता श्री कौशल्या जी की भव्य प्रतिमा प्रतिष्ठीत की जायेगी । इस तृतीय तल में सिंहपीठिका, रंगमण्डप एवं 128 स्तम्भों से युक्त निर्मित किया जायेगा। ऊचांई में होने के कारण संभवतः यह पुष्पक विमान जैसा दिखाई पडेगा। तीनो तल में कुल 288 स्तंभ लगेगें। इस मंदिर की यह विशेषता रहेगी की सम्पूर्ण निर्माण में कहीं भी ईट, सीमेंट या लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है। ठोस पत्थरों एवं शिलाखण्ड़ों से इसके ऊपर शिखर का निर्माण अष्टकोनिय एवं कलात्मक होगा। इसके ऊपर शिखर की ऊंचाई 54 फिट होगी। जिस पर विभिन्न देवी–देवताओं, यक्ष, गंधर्व, अप्सराओं एवं किन्नरों की विशेषता यह भी है, की यहां मुख्य मूर्तियों के अतिरिक्त अष्टधातु से निर्मित 108 देवी–देवताओं की दुलर्भ मूर्तियां प्रतिष्ठित होंगी।

वर्तमान समय में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। एवं कुछ ही समय में पूर्ण हो जायेगा । इसके अतिरिक्त इस मठ द्वारा वनवासी बालक एवं बालिकाओं के लिए शिक्षा एवं भोजन की निशुल्क व्यवस्था हैं। यहां के गुरूकुल में अनेक बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं। जो 2009 से संचालित हैं। यह गुरूकुल बालक–बालिकाओं में अध्यात्मिकता का संचार कर समाज को नई दिशा प्रदान कर रहा हैं। भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत शिक्षा के इस केन्द्र का नाम श्री पाटेश्वर धाम गुरूकुल हैं। यहां के सरंक्षण कर्ता की यह इच्छा हैं, की प्राचीन तक्षशिला एवं नालंदा की तरफ वैदिक पौराणिक साहित्य का संकलन किया जायेगा।

यहां श्री पाटेश्वर धाम गौशाला भी संचालित हैं। जहां बहुत सी गायों की सेवा हो रही हैं। इसके अधिक विस्तार के लिए श्री हनुमान नंदी गौशाला के निर्माण कार्य चल रहा है। जहां भारत के अद्वितीय एवं प्रदेश की प्रथम नंदीशाला का निर्माणाधीन है, जहां 85 गौवंश शेड का निर्माण से समाज में चिकित्सा के माध्यम से समाज में गौ रक्षण का अभिनव कार्य का संचार होगा।

इस स्थान के सर्व प्रथम मंहत एवं संरक्षक श्री महन्त श्री रामजानकीदास जी महात्यागी (श्री राजयोगी बाबाजी) हैं। तथा यहां के संचालन का कार्य इनके प्रिय शिष्य श्री राम बालक

RRIJM 2015, All Rights Reserved

दास जी महात्यागी (कैलासी) एवं पाटेश्वरधाम के नाम से संचालित संस्था के सदस्यगणों के द्वारा हो रहा हैं।

पाटेश्वरधाम में प्रतिवर्ष अनेक महोत्सवों का आयोजन होता है, जिसमें श्री पाटेश्वर धाम वार्षिक मेला (माघ पूर्णिमा), श्री हनुमान जंयती महोत्सव (चैत पूर्णिमा) एवं श्री गुरूपुर्णिमा महोत्सव (आषाढ़ पूर्णिमा) विशेंष हैं।

नवीन मठ होने के कारण इस मठ के विषय में कोई पूर्व लिखित जानकारी प्राप्त नहीं होती हैं। संस्था श्री पाटेश्वर धाम संस्थान के नााम से पंजीकृत हैं। जिसमें मठ के विषय में विवरण हैं।

संदर्भ –

1. मठ द्वारा छपवाये गये ब्रोशर एवं साक्षात्कार पर आधारीत।
2. उद्ववदास वैष्णव – अध्यक्ष
3. कामता प्रसाद साहू– सचीव
4. गौतम सिन्हा – मिडिया प्रभारी
5. राजकुमारी जंघेल –उपाध्यक्ष
6. रामबालक दास जी – संयोजक
7. मुन्ना लाल जी वर्मा– सह सचीव

RRIJM 2015, All Rights Reserved